>

Title: Need to provide immediate compensation to the people affected by floods in Khandwa district of Madhya Pradesh.

श्रीमती ज्योति धुर्वे (बेतूल): सभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं सदन में अपने संसदीय क्षेत्र की एक बहुत महत्वपूर्ण घटना रखना चाहती हूं। मेरा संसदीय क्षेत्र बेतूल है, जिसमें बेतूल, हर्दा और खंडवा जिले का कुछ हिस्सा, एक विधान सभा उसमें आती है। इस खंडवा जिले के हरसूर छनेरा से लगा हुआ खालवा ब्लाक पूरी तरह से आदिवासी है यानी वहां सौ प्रतिशत आदिवासी निवास करते हैं। वहां से लगा हुआ एक आशापुर गांव है, जहां पर पिछले दिनों, 17 जुलाई, 2011 को अग्नि नदी में बाढ़ आने से वहां के लगभग दो हजार लोग जिनमें 40 बच्चे, महिलाएं और पुरूष, जिनमें कई वृद्ध लोग भी थे, गंभीर रूप से हताहत हुए और वहां उससे लगी हुई किसानों की भूमि भी पूरी तरह से बंजर हो गयी है। निश्चित रूप से वहां के लोगों की जो मांग थी, वह राज्य सरकार ने पूरी की, लेकिन बाढ़ पीड़ित लोगों की वहां एक मांग यह भी उठी कि हमारी जो मांगें हैं, आप वहां जाकर उनसे केन्द्र सरकार को, भारत सरकार को अवगत कराएं। हमारे जितने धन-जन की हानि हुई है, वह केन्द्र सरकार हमें किसी न किसी रूप में, जिस रूप में भी दे, हमें मिले। इस चीज का उन्होंने हमसे बहुत दिल से आश्वासन लिया है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहती हूं कि उन किसानों की लगभग 400 हेक्टेअर जमीन जो बाढ़ से पूरी तरह से बंजर हो गयी है और वहां लगभग जितने लोग थे, लगभग 2000 गरीब लोगों के मकान पूरी तरह से जर्जर होकर गिर चुके हैं। वे लोग खुले में पंडाल डालकर रहे थे, जिस समय मैं वहां गयी थी, मैंने देखा उनको जिस अवस्था में देखा, उनको यही आश्वासन दिया कि मैं यहां की स्थिति को केन्द्र सरकार के सामने रखूंगी। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहती हूं कि केन्द्र सरकार उन बाढ़ पीड़ितों को राहत राशि देकर इस स्थिति से निजात दिलाए।